Short notes

मुक्त प्रवेश प्रणाली (Open Access System)

ग्रंथालय एक सामाजिक संस्था है। इसका मुख्य उद्देश्य ज्ञान का व्यापक प्रचार प्रसार करना है। प्राचीन काल से मध्य काल तक ग्रंथालय तक पहुँच सिर्फ समाज के उच्च वर्गों के लिए ही सीमित था। आज ग्रंथालय का द्वार सभी वर्ग के लोगो के लिए शिक्षा का विकास हेतु खोल दिया गया है। अतः मुक्त प्रवेश प्रणाली ग्रंथालय सेवा का एक अभिन्न अंग माना जा रहा है।

मुक्त प्रवेश प्रणाली के द्वारा पाठको को स्वतंत्र रूप से पुस्तको के पास जाने का अधिकार प्राप्त होता है। इससे पाठक एवं पुस्तको के बीच सीधा सम्पर्क स्थापित होता है। जिससे पाठको मे आत्म सम्मान तथा ईमानदारी की भावना जाग्रत होती है।

मुक्त प्रवेश प्रणाली की आवश्यकता (Importance of Open access system)

1. बन्द प्रवेश प्रणाली मे पाठक पुस्तक तक सिधे नही पहुँच पाता है। इसके लिए उसे पुस्तकालय कर्मचारियों की सहायता लेनी पड़ती है। पाठक का अमूल्य समय नष्ट होता है। कभी-कभी कर्मचारियो की लापरवाही से उचित पाठक को उचित पुस्तक समय पर नही मिल पाती है। अतः मुक्त प्रवेश प्रणाली अनिवार्य है।
2. प्रत्येक पाठक को उसकी मन प्रसन्द पुस्तक तभी मिल सकती है। जब वह स्वयं बिना रोक-टोक के निधानी (Shelf) तक पहुँचे। अधिकांश पाठक अपनी अभिरूची की पाठ्य सामग्री का उल्लेख ग्रंथालय कर्मचारियों के सामने करने मे समर्थ नही होते है। कभी-कभी ऐसा देखा जाता है कि पाठको को न तो लेखक

Scanned with CamScanner

का नाम याद रहता है और न पुस्तक का लेकिन जब वह कक्ष तक जाकर पुस्तक ढूंढता है तो वह अपनी मन पसन्द सामग्री आसानी से खोज लेता है।

अतः मुक्त प्रवेश प्रणाली अनिवार्य है।

3. पुस्तकालय विज्ञान का तीसरा सूत्र प्रत्येक पुस्तक को उसका पाठक मिले मुक्त प्रवेश प्रणाली लागू करने की प्रेरणा प्रदान करता है क्योंकि पुस्तक एक निर्जीव पदार्थ है। वह अपने पास पाठको को नही बुला सकती है। और न ही पुस्तकालय कर्मचारी पाठक को पुस्तक तक भेज सकते है। जिस ग्रंथालय मे मुक्त प्रवेश प्रणाली लागू है वहाँ पाठक स्वयं पुस्तक तक पहुच जाते है और प्रत्येक पुस्तक को उसका पाठक मिल जाता है।

4. प्रायः यह देखा जाता है कि पुस्तकालय मे जिस अनुपात मे पुस्तक एवं पाठको की संख्या मे वृद्धि होती है। इस अनुपात मे कर्मचारियो की संख्या मे वृद्धि नही हो पाती है। अतः कर्मचारी की कमी की वजह से उचित पाठक को उचित समय पर उचित पुस्तक नही मिल पाती है। इस समस्या का समाधान मुक्त प्रवेश प्रणाली से हो जाता है। मुक्त प्रवेश प्रणाली के द्वारा पाठक को ग्रंथ खोजने के लिए पुस्तकालय के कर्मचारियो पर निर्भर नही रहना पड़ता है। पाठक स्वयं अपनी पुस्तक को खोज लेते है।

लाभ (Advantage)

1. इससे पाठक एवं कर्मचारियो के समय की बचत होती है।
2. इस प्रणाली से पुस्तको के उपयोग की संभावना बढ जाती है।
3. इस प्रणाली से पाठकों मे आत्मविश्वास एवं आत्मनिर्भरता बढती है।

हानी (Disadvantage)

1. इस प्रणाली मे पुस्तके अधिक संख्या मे गुम होती है।

Scanned with CamScanner

2. पुस्तके अधिक क्षतिग्रस्त होती हैं।

3. पुस्तकें अपने निर्धारित स्थान पर नहीं रह पाती हैं।

4. पुस्तके जान बूझकर पाठकों के द्वारा छिपाकर गलत स्थान पर रख दी जाती हैं। ताकि दूसरे उनका उपयोग न कर सके।

सुरक्षा के उपाय (Safety measures)

1. ग्रंथालय के प्रवेश और निर्गत द्वार पर एक कर्मचारी तैनात रखनी चाहिए।

2. ग्रंथालय के अंदर पाठकों को झोला या किसी अन्य तरह की सामग्री नहीं ले जाने की अनुमति देनी चाहिए।

3. अंदर आने वाले तथा बाहर जाने वाले लोगों की निगरानी रखनी चाहिए।

4. सभी खिड़कियों पर जाली का प्रबंध रहे।

5. संग्रह कक्ष या प्रकोष्ठ में पूरे प्रकाश की व्यवस्था रहे।

Scanned with CamScanner